"फारेन फर्म्स आउट बोडिंग भेल" शीर्षक के अधीन प्रकाशित समाचार

2928. **श्री राम जेठमलानी :**
सरदार जगजीत सिंह अरोडा :

क्या **उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान दिनांक 6 अक्तूबर, 1988 के दैनिक "हिन्दुस्तान टाइम्स" में "फॉरेन फर्म्स आउट बोडिंग भेल" शीर्षक से प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है ; और

(ख) यदि हां, तो सरकार की उस पर क्या प्रतिक्रिया है ?

उद्योग मंत्री (श्री जे० इगल राव) : (क) जी, हां ।

(ख) सरकार द्वारा विद्युत उत्पादन के उपस्करों के निर्माण के लिए बी० एच० ई० एल० की क्षमता के उपयोग की सीमा की लगातार समीक्षा की जाती है । सरकार का प्रयास है कि विद्युत उत्पादन के उपस्करों की प्राप्ति के लिए मूलत: देशी निर्माताओं पर निर्भर रहा जाए ।

Estimated production of Petroleum and Natural Gas in Andhra Pradesh

2929. SHRI PUTTAPAGA RADHAKRISHNA: Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state:

(a) what is the estimated production potential of petroleum and natural gas in Andhra Pradesh in the Seventh and the Eighth Plan periods;

(b) what is the quantity of petroleum and natural gas being produced at present in Andhra Pradesh; and

(c) whether there is any proposal for laying a pipeline for carryig the natural gas from the places of production to any refinery and fertilizer project in Andhra Pradesh, if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (SHRI BRAHM DUTT): (a) and (b) Krishna-Godavari onshore basin is still under delineation and the exact hydrocarbon potential will be known only after delineation is complete. However, oil and gas are being produced from a few prospects through Early Production System at the rate of about 5 tonnes per day of oil and 55,000 cubic metres per day of gas.

Another offshore prospect is planned to be put on EPS by the middle of 1989.

(c) A commitment in principle has been made for a fertilizer plant at Kakinada; a pipeline will have to be laid for this purpose as and when supply is made.

लघु और कुटीर उद्योगों को सहायता प्रदान करने के लिये योजना

2930. **श्री रामनरेश यादव** : क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार लघु और कुटीर उद्योगों को प्रोत्साहन देने के लिए इन उद्योगों द्वारा उत्पादित सामान के बड़े उद्योगों द्वारा उत्पादन पर प्रतिबन्ध लगाने संबंधी किसी योजना पर विचार कर रही है ;

(ख) यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है ;

(ग) यदि नहीं तो इसके क्या कारण हैं ; और

(घ) क्या सरकार ने देश में जन-शक्ति की प्रचुरता को दृष्टिगत रखते हुए लघु उद्योगों के विकासार्थ उन्हें सहायता प्रदान करने के लिए कोई योजना बनाई है । यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

उद्योग मंत्रालय में औद्योगिक विकास विभाग में राज्य मंत्री (श्री एम० अरुणाचलम): (क) से (ग) अनुषंगी अथवा लघु औद्योगिक उपक्रमों में ही एक मात्रा